DEPARTMENT OF HINDI

TY HINDI पाठ्यक्रम का अभिप्राय, उद्देश्य, परिणाम, अध्यापन प्रणालियाँ

PSO 1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास, भाषा, विषय–ज्ञान से अवगत कराते हुए भाषा, काव्यशास्त्र एवं व्याकरण के अध्ययन के लिए प्रेरित करना ।

PSO 2. विद्यार्थियों को भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना ।

PSO 3. विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन गद्य–पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।

PSO 4. हिंदी की अद्यतन गद्य–पद्य की विधाओं, प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण–चेतना को समृद्ध करना।

PSO 5. जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।

PSO 6. सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि को दर्शना तथा साहित्य पर प्रभावों को अवगत कराना।

परिणाम– OUTCOMES:

CO 1. विद्यार्थी भाषा के विविध रूप तथा भाषा परिवर्तन के कारणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों से परिचित होते हुए उसकी उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 2. विद्यार्थी हिन्दी ध्वनियों के उच्चारण संबंधी तथा देवनागरी लिपि का वैज्ञानिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण से परिचित होंगे, विद्यार्थी भाषा विज्ञान एवं व्याकरण के अध्ययन से भाषा का व्यवस्थित प्रयोग कर सकेंगे ।

CO 4. विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों, भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के अध्ययन से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 5. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।

CO 6. विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक–कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

CO 7. विद्यार्थियों में नये वैश्विक–मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व–बोध उत्पन्न होगा।

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. दृश्य/ श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/ जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।
5. शैक्षणिक भ्रमण।

SEMESTER – I

NAME OF PROGRAM : B.A.
NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary (ऐच्छिक हिन्दी)
COURSECODE : UAHIN 101

PSO 1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं कीप्रचलितरचना कहानी, निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण, यात्रा वृतांत और रेखाचित्र आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
PSO 2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत कराना। विद्यार्थियों का नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।

SEMESTER – II

NAME OF PROGRAM : B.A.
NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary (ऐच्छिक हिन्दी)
COURSECODE : UAHIN 201

PSO 1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं कीप्रचलित रचना कहानी, निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण, यात्रा वृतांत और रेखाचित्र आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
PSO 2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत कराना।विद्यार्थियों का उपन्यास के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना

PAPER II, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM :B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSECODE : UAHIN301

PSO1.विद्यार्थियों को हिन्दी की मध्यकालीन और आधुनिककालीन पद्य विधाओं की प्रसिद्ध,प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
PSO2.. हिंदी काव्य के मध्यकाल से लेकर अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियों एवं कविता के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।
PSO3. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को दर्शाना।

परिणाम- Outcomes:
CO 1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक,सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
CO 2.विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कलाकी साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
CO 3. विद्यार्थियों में नयेवैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।

1. व्याख्यान,विश्लेषणतथा व्याख्यात्मक पद्धति का प्रयोग।

2. दृश्य/श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।

3. उदाहरण द्वारा पुष्टि एवं लेखकों केअतिथि व्याख्यान।

4. स्वाध्याय / परियोजना।

PAPER II,SEMESTER –IV

NAME OF PROGRAM :B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSECODE : UAHIN401

PSO1. विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्य विधा की प्रसिद्ध,प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन प वेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय,संस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।

PSO 2. हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर अद्यतन व्यंग्यात्मक रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं व्यंग्य के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करना।

PSO 3. व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों कोउजागर कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आमजीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत कराना।

परिणाम- Outcomes:

CO 1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, संस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा।

CO 2. विद्यार्थियों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक,संस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व-बोध निर्वहन का विकास होगा।

CO 3. विद्यार्थियों में नये वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।

CO 4. विद्यार्थियों में साहित्य-रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि का निर्माण होगा, रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

---

1. व्याख्यान,विश्लेषणतथाव्याख्यात्मक पद्धति का प्रयोग।

2. दृश्य/श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।

3. उदाहरण द्वारा पुष्टि एवं लेखकों,अतिथियों के व्याख्यान।

4. स्वाध्याय/परियोजना।

PAPER III, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM :B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSECODE : UAHIN302

PSO 1. विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए लेखन कौशल का विकास करना।

PSO 2. विद्यार्थियोंको प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अंग्रेजी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचिय करवाना।

PSO 3. विद्यार्थियोंको व्यावसायिक/कार्यालयीन पत्राचार से अवगत करवाना।

PSO 4. विद्यार्थियोंको अंग्रेजी/मराठी भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद कौशल का विकास करना।

PSO 5. विद्यार्थियोंको जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।

PSO 6. विद्यार्थियोंको जनसंचार माध्यमों के विकास से परिचिय करवाना।

परिणाम- Outcomes:

CO 1. विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा-दक्षता की प्रवीणता की प्राप्ति होगी।

CO 2. विद्यार्थियोंका व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनाना।

CO 3. विद्यार्थियोंजनसंचार माध्यमों में रोज़गार के अवसर, क्षेत्रों से अवगत होंगे।

---

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. दृश्य/श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।

PAPER III, SEMESTER – IV

NAME OF PROGRAM :B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSECODE : UAHIN402

PSO 1. विद्यार्थियोंको जनसंचार-भाषा की जानकारी देते हुए व्यवहार क्षेत्रों मेंहिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करना।

PSO 2. विद्यार्थियोंको परंपरागत जनसंचार माध्यमों से परिचियकराते हुए नव्य-संचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक के
आंतरिक और बाह्य पक्षों का सामाजिक सरोकारों को दर्शना।

PSO 3. विद्यार्थियोंको समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, साक्षात्कार,फ़ीचर लेखन लेखन से अवगत करवाना।

PSO 4. विद्यार्थियोंको सोशल मीडिया, कंप्यूटर, टेलीविज़न इत्यादि के भाषाई प्रयोगों का परिचय देना।

परिणाम- Outcomes:

CO 1. विद्यार्थियोंको तकनीकी और व्यावहारिक भाषा दक्षता की प्रवीणता प्राप्ति होगी।

CO 2. व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता की संभावना बढ़ेगी।

CO 3. जनसंचार माध्यमों में रोज़गार के क्षेत्रों से परिचय होगा।

---

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. दृश्य/श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।
5. शैक्षणिक भ्रमण।

Capt. Dr. Mohsin Khan
N.C.C. OFFICER
6 MAH.BATTLION N.C.C.
UNIT (SD-ARMY)
J.S.M. College of Arts, Science & Commerce
ALIBAG-402 201, Dist. Raigad (MS)

J. S. M. ALIBAG COLLEGE

PRINCIPAL
Smt. Indirabai G.Kulkarni Arts,
J. B. Sawant Science and
Sau.Janakibai Dhondo Kunte Commerce
College, Alibag-402 201, Dist. Raigad